

गुरु नानक कॉलेज , धनबाद

हिंदी विभाग द्वारा

'सावन महोत्सव -2024'

गुरु नानक महाविद्यालय धनबाद के हिंदी-विभाग के द्वारा 30/07/24 को 'सावन महोत्सव' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल, विवि, धनबाद के स्नातकोत्तर हिंदी-विभाग के अध्यक्ष प्रो. डॉ. मृत्युजय सिंह एवं सहायक प्राध्यापक प्रो. डॉ. मुकुंद रविदास की महनीय उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. सोनू प्रसाद यादव द्वारा मुख्य अतिथि एवं सभा में उपस्थित गणमान्य विद्वानों का औपचारिक स्वागत से हुआ। सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभ आरंभ सरस्वती वंदना से हुआ। पर्यावरण संरक्षण के संदेश को प्रसारित करने के उद्देश्य से लघु नाटिका 'पृथ्वी: शांति: अंतरिक्ष शांति:' की प्रस्तुति हुई। 'बादङियो गगरिया भर दे', 'नदिया धीरे-धीरे बहना', 'वो पुराने दिन' कविता पाठ से छात्राओं ने समां बांधा। रजनीकांत ने कजरी गीत की प्रस्तुति दी। चौमासा राजस्थानी नृत्य के साथ रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान 'सुदरं मयूरं', द्वितीय स्थान 'मनभावन' व तृतीय स्थान 'सप्तरंग' को प्राप्त हुआ। अध्यक्षीय संबोधन प्रो. डॉ. मृत्युजय सिंह ने प्रस्तुतियों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में भी इस तरह की सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देंगे। प्रो. डॉ. मुकुंद रविदास ने प्रशंसा करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय एक समुद्र है और इसके अंतर्गत आने वाले सभी महाविद्यालय नदी के समान प्रवाहमान हैं। समुद्र की अतल गहराइयों में छिपे उत्कृष्ट नगीने के समान गुरु नानक महाविद्यालय है। प्रो. अमरजीत सिंह ने कहा कि सावन महोत्सव का दैवीय व सांस्कृतिक दोनों ही रूपों में अविस्मरणीय महत्व है। हिंदी विभाग द्वारा सावन महोत्सव का सफल आयोजन प्राचार्य प्रो. डॉ. संजय प्रसाद के संरक्षण एवं बहुमूल्य मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन प्रो. सिमरन श्रीवास्तव ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष प्रो. सोनू प्रसाद यादव ने किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

इस कार्यक्रम के सफल संचालन में प्रोफेसर इंचार्ज भूदा परिसर प्रो. अमरजीत सिंह, प्रो. दीपक कुमार, प्रोफेसर डॉ. मीणा मालखंडी, प्रो. अनुराधा, प्रो. अभिषेक, प्रो. एकता, प्रो. राशि, प्रो. सपना, प्रो. मनीषा, प्रो. मुकेश, सुश्री नुश्रत् सहित अन्य शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मी सहित 200 छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

Picture Gallery











News Gallery

एक नए शान प्राप्त करने का लायद खुद को लगातार अपडेट करें। लगातार दो अलग-अलग सत्रों में सीएमडी ने लगभग 1100 छात्रों को संबोधित

माक पर उपानदशाक प्रा धारज कुमार, डीन प्रो रजनी सिंह, प्रो एमके सिंह, प्रो एसके गुप्ता, प्रो एआर दीक्षित समेत अन्य मौजूद थे।

गुरुनानक कॉलेज में सावन महोत्सव की धूम



जीएन कॉलेज में मंगलवार को आयोजित सावन उत्सव में रंगोली देखते शिक्षक। धनबाद, मुख्य संचाददाता। गुरुनानक कॉलेज में हिन्दी विभाग ने मंगलवार को सावन महोत्सव का आयोजन किया। मुख्य अतिथि बीबीएमकेदू के स्नातकोत्तर हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ मृत्युंजय सिंह एवं सहायक प्राचार्यापक प्रो. डॉ. मुकुंद रविदास उपस्थित रहे। मौके पर विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन हुआ। लघु नाटिका पृथ्वी: शांति: अंतरिक्ष शांति, बादड़ियों गगरिया भर दे, नदिया धीर-धीरे बहना, वो पुराने

दिन कविता पाठ से छात्राओं ने समाप्ति। चौमासा राजस्थानी नृत्य के साथ रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सुन्दर मयूर, द्वितीय स्थान मनभान व तृतीय स्थान सप्तरंग को प्राप्त हुआ। मौके पर प्रो अमरजीत सिंह, प्रो दीपक कुमार, प्रो डॉ मीणा मालखड़ी, प्रो अनुराधा, प्रो अभिषेक, प्रो एकता, प्रो राशि, प्रो सपना, प्रो मनीषा, प्रो भूकेश समेत अन्य थे।



धनबाद 31-07-2024

सावन महोत्सव : वो पुराने दिन कविता पाठ से युवा कवियों ने समां बांधा

धनबाद | गुरु नानक कॉलेज, धनबाद के हिन्दी विभाग की ओर से मंगलवार को सावन महोत्सव की शुरुआत सरस्वती वेदना से हुई। इसके बाद पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए लघु नाटिका पृथ्वी: शांति: अंतरिक्ष शांति: को प्रस्तुति हुई। बादड़ियों गगरिया भर दे, नदिया धीर-धीरे बहना, वो पुराने दिन कविता पाठ से छात्राओं ने समां बांधा। रजनीकांत ने कजरी गीत की प्रस्तुति दी। वहीं चौमासा राजस्थानी नृत्य के साथ रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सुन्दर मयूर, द्वितीय स्थान मनभान और तृतीय स्थान सप्तरंग को मिला। मुख्य अतिथि पीजी तिंडी विभागाध्यक्ष

डॉ. मृत्युंजय सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में भी ऐसी सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देंगे। प्रो. डॉ. मुकुंद रविदास ने कहा कि कॉलेज की सराहना की। प्रो. अमरजीत सिंह ने कहा कि सावन महोत्सव का अविस्मरणीय महत्व है। कायक्रम प्राचार्य डॉ. संजय प्रसाद के मार्गदर्शन में हुआ। संचालन प्रो. सिमरन श्रीवास्तव और धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष प्रो. मोनू प्रसाद यादव ने किया। मौके पर प्रो. अमरजीत सिंह, प्रो. दीपक कुमार, डॉ. मीणा मालखड़ी, प्रो. अनुराधा, प्रो. अभिषेक, प्रो. एकता, प्रो. राशि, प्रो. सपना, प्रो. मनीषा, प्रो. मुकेश, नुशरत सहित अन्य मौजूद थीं।